

प्रश्न 1.

धार्तु एवं अधार्तु के भीतर गुणों में अंतर लिखिए।

धार्तु

1. ये धार्तुएँ ठोस होती हैं।

2. इसमें आधारिति का गुण होता है।

3. इनमें तन्त्रिका का गुण होता है।

4. ये अण्मा एवं विद्युत की सुचालक होती हैं।

5. ये कठोर होती हैं।

6. इसमें इवनि उत्पन्न होती है।

अधार्तु

1. ये अधार्तुएँ ठोख, द्रव, गैस तथा अक्सर गैस हैं।

2. इनमें भंगुरता का गुण पाया जाता है।

3. इसमें तन्त्रिका का गुण पाया जाता है।

4. ये अधार्तुएँ विद्युत की कुचालक होती हैं।

5. ये मुलायम होती हैं।

6. इसमें इवनि उत्पन्न नहीं होती है।

प्रश्न 2.

आधारिति तथा तन्त्रिका का अर्थ बताए।

आधारिति ⇒ धार्तुओं की पाटकर पतली चादर के स्पर्श में परिवर्तित करना आधारिति कहलाती है।

तब ⇒ जब धार्तुओं की पतले तार के स्पर्श में खाना जाता है, तो यह क्रिया तन्त्रिका कहलाती है।

प्रश्न 3.

सीडिम को क्रीसीन में डुबीकर क्यों रखा जाता है।

उड़

सीडिम अत्याधिक आमिक्या शील धार्तु है, जो समान्यतः ताप पर नहीं एवं आकर्षीजन के साथ तेजी से आमिक्या करता है, ठोड़े जल के साथ क्रिया देने पर तेजा से डाइड्रोजन गैस निकलती है, और तेजी से विस्फीट होता है, इसलिए सीडिम को मिट्टी के तेल में रखते हैं।

प्रश्न ५.

निम्न पढ़ी की परेभाषा बोले।  
(i) खनिज (ii) अस्फुट (iii) गैंग

खनिज  $\Rightarrow$  पृथकी पर, पाये जाने वाले प्राकृतिक पदार्थ हिस्से धारूण या उनके शोभिक प्रकृति न किसी रूप में समादृत होते हैं खनिज कहलाते हैं।

अस्फुट  $\Rightarrow$  ऐसे खनिज जिन से धारूण का आसानी हथा लाभदायक तरीके से निष्कृष्ट किया जाता है।  
अस्फुट कहलाते हैं।

जैसे  $\Rightarrow$  इमेटाइट, मैरनीटाइट, आदि।

गैंग  $\Rightarrow$  पृथकी से पृष्ठ स्थानिज अस्फुट की में अधिक; इस जैसे कई अस्थूर्डियाँ होती हैं, जिन्हें धम गैंग कहते हैं।

जैसे  $\Rightarrow$  वालु, मिट्टी, इत्यादि।

प्रश्न ५.

मिश्र धारूण क्या है? निम्न तीन मिश्र धारूणों के नाम उनके रासायनिक अवयवों के नाम हथा उपयोग लिखें।

30

दी या दो से अधिक धारूणों के सम्मिश्र मिश्रण को मिश्र धारूण कहते हैं।

जैसे  $\Rightarrow$  रेट्टेल्स स्टील यह लीदा एवं निक्ल, ब्रोमियम से मिलकर बनती है।

उपयोग  $\Rightarrow$  इसका उपयोग बहुत धारूण उपकरण आदि बनाने में किया जाता है।

पातल  $\Rightarrow$  यह ताँबा एवं जस्ता से मिलकर बनता है।

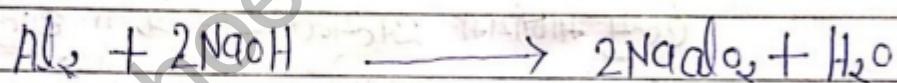
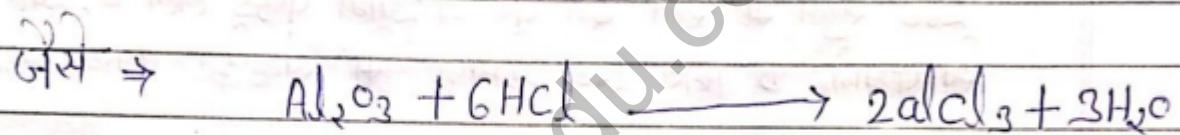
उपयोग  $\Rightarrow$  इसका उपयोग बहुत सूखी पानी आदि में किया जाता है।

फॉस्फोरस  $\Rightarrow$  वह टोब्बा और टेन से मिलकर बनता है।

उपयोग  $\Rightarrow$  भरतन सूखी रूपके आमूषण बनाने में किया जाता है।

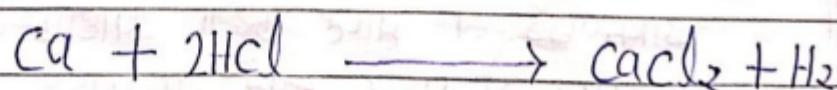
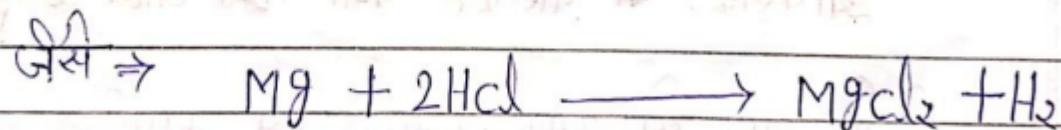
प्रश्न 6. उभयधार्मी आवंस्याइड क्या होता है, वो उभयधार्मी आवंस्याइड का उत्पादन किसे?

उत्तर: ऐसे आवंस्याइड जो अम्ल और क्षार द्वारा से किया करके तत्पन बनाते हैं, वह उभयधार्मी आवंस्याइड फॉलोत है।



प्रश्न 7. दो धातुओं के नाम बताइए जो हड्डी अम्ल से इक्सीजन से विस्थापित कर दें तथा धातुओं जो ऐसा नहीं कर सकती हैं।

उत्तर: मैरनीशीम, कॉल्यूम, जैक आदि धातुओं अम्ल से किया करके इक्सीजन विस्थापित करती हैं।



प्रश्न ४

कारण बताइए —

- (a) प्रोटीनम् सीना एवं चाँदी का उपयोग आमुषण बनाने के लिए क्यों किया जाता है?

उ०

प्रोटीनम् सीना चाँदी बहुत कम आमिक्रिया शील धारू है इनकी अमर्गुणी भी बहुत तेज दौरा है, तथा ये सङ्खारित भी नहीं होती इसलिए इनका उपयोग आमुषण बनाने में किया जाता है।

- (b) सीडियम, पीटीएम एवं लीथियम की तेल के अंदर संग्रहित क्यों करते हैं?

उ०

सीडियम, पीटीएम लीथियम इतनी आमिक्रिया शील धारू है कि, उन्हें सुलें में रख देने पर ये ऊर्ग पकड़ लेती है, अतः उन्हें विस्पैट से बचाने के लिए उन्हें प्रोतीन में संग्रहित किया जाता है।

- (c) ऐल्यु मीनियम अत्यन्त अमिक्रिया धारू है, फिर भी इसका उपयोग खाना बनाने वाले बहनी में किया जाता है।

उ०

ऐल्यु मीनियम इरेमा की सुचालफ दौरी है, तथा यह सङ्खारित नहीं होती है, इसलिए इसका उपयोग खाना बनाने वाले बहनी में करते हैं।

- (d) निष्कुष्ट पृष्ठम् में काबोनेट एवं सल्फाइड आक्साइड को आक्साइड में पारिवर्तित क्यों किया जाता है?

उ०

किसी धारू को ऊपरे सल्फाइड एवं काबोनेट की अपेक्षा आक्साइड से प्राप्त फुला आणि आसान है, इसलिए अपच्यन से पहले धारू सल्फाइड एवं काबोनेट की धारू आक्साइड में बदल देना चाहिए।

प्रश्न 9. आपने तांबे के मलिन बटनी को नीबू या इम्ली के रस से साफ करते हैं, उस समय देखा दौड़ा वह रवटट पदार्थ बटनी को साफ करने में क्या प्रभावी है?

कृष्ण  
तांबा ग्रांक्साइड अम्लों से आभीक्षिया करता है, फिल्टर तांबा स्वयं आभीक्षिया नहीं करता यह तांबे को अम्ल पदार्थ द्वारा साफ किया जा सकता है, ये तांबे के सज्जारत दैस्सी की अलग कर देते हैं तथा शुद्ध तांबा बच जाता है।

प्रश्न 10.

रासायनिक गुणात्मकों के माध्यर पर धारु एवं अधारु में विभाजित हैं।

धारु

- |                                      |  |
|--------------------------------------|--|
| 1. ये स्थृति के अपचायक होते हैं।     | 1. ये स्थृति के ग्रांक्साइड होते हैं।      |
| 2. ये क्षारीय ग्रांक्साइड बनाती हैं। | 2. ये अम्लीय उदासीन ग्रांक्साइड बनाते हैं। |
| 3. ये क्रिया करते हैं।               | 3. ये क्रिया नहीं करते हैं।                |
| 4. ये धन्तात्रम् होते हैं।           | 4. ये प्रष्टणात्मक होते हैं।               |
| 5. ये जलीय तिलक में आयन बनाती हैं।   | 5. ये जलीय तिलक में -आयन बनाती हैं।        |

प्रश्न 11.

अमलगम क्या है?

इन्हें

मारे के साथ धारु के मिश्रण को अमलगम कहते हैं।  
इसका उपयोग दौरों में अमरने के लिए किया जाता है।

प्रश्न 12. साक्षेपिता शैणी क्या है?

क्षमा

दाढ़ुओं को जनकी क्रिया शीलिंग के आधार पर अवतारी क्रम में विस्थापित करना साक्षेपिता शैणी कहलाता है।

जैसे →  $K - Na - Ca - Mg - Al - ZN - Fe - Pb$   
 $- H - Cu - Hg - Ag - Au$

प्रश्न 13. टाइट्रेनियम की रणनीतिक दाढ़ु क्यों कहा जाता है?

क्षमा

टाइट्रेनियम बिधुत दूषण दाढ़ु दीरी है जिसका ग्लंनकु मी उच्च दृष्टि है, तथा यह साक्षारण प्रतिरोधी दीरी है, इसका उपयोग शुद्ध क्षेत्र में विमान, जहाज, वायुयान के ढाँचे तथा समूकी उपकरण आदि बनाने में क्या जाता है इसलिए टाइट्रेनियम की रणनीतिक कहा जाता है।

प्रश्न 14.

विधुत तर दाढ़ुओं के बनाये जाते हैं। क्यों?

क्षमा

दाढ़ुएं विधुत की शुचालकु दीरी है, तथा तन्य दीरी है, इसलिए विधुत तर दाढ़ुओं के बनाये जाते हैं।

प्रश्न 15.

एनोमियां के रोगी की लीट तत्व युक्त पालक साने की स्लाइ दी जाती है, क्यों?

क्षमा

पालक में लीट तत्व ग्राहकन पाया जाता है, जो शरीर में दीमाठली बिन की मात्रा को बढ़ाता है, इसलिए डॉक्टर एनोमियां के रोगी की पालक रखाने की स्लाइ देता है।

प्र० 16

विवर स्थिति क्या है?

प्र० 17

चाँदी के समान चमड़े द्वारे के कारण पारा की विवर स्थिति है।

प्र० 18

आयस्कुल की साइट की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।

प्र० 19

चुम्बकीय प्रश्नकरण विधि  $\Rightarrow$  इस विधि में चुम्बकीय पृष्ठी के पदार्थों का प्रश्नकरण किया जाता है मैरनेटार्ड का साथ इसी विधि से किया जाता है।

गुरुत्व प्रश्नकरण विधि  $\Rightarrow$  इस विधि में बारीकी पिसे हुए आयस्कुल की पानी की तेज धार के साथ दीया जाता है जिससे हल्के कण वह जाते हैं और भारी रूपान्वय कण तली में ढूँढ जाते हैं। इन और सीसा का साथ इसी विधि में फरते हैं।

फैनड्रॉपलावन विधि  $\Rightarrow$  मानों का हैंडलेफुर ऊपर तारफ़िन या चीड़ का तेल भरकर पिसे हुए आयस्कुल डाल देते हैं इसके बाद इसे मिशन में तेजी से वायु प्रवाहित की जाती है जिससे बुलबुले के साथ क्षाग बनने लगता है इसी क्षाग के साथ आयस्कुल ऊपर आ जाते हैं जिन्हें धम आखानी से निकाल देते हैं तांबा, सीसा तथा जरूरता का साथ इसी विधि से किया जा सकता है।

रसदी प्रिकल्प चुनकर लिखें -

1. मिट्टी के तेल में रखी जाने वाली धातु है।

सीडियम

2. किस धातु की चाकू से काटा जा सकता है।

सीडियम

3. सबसे अधिक क्रियाशील धातु है।

पीटीशेयम

4. कौन सी धातु द्वंद्व उपस्था में पाई जाती है।

पारा

5. चमकदार अद्यातु है।

आयोडीन

6. लौह का सङ्क्षण कुट्टाता है।

जग लगाना

7. जग का सूत्र लिखिए।

$\text{Fe}_2\text{O}_3 \text{NH}_2\text{O}$

8. विद्युत की सवाइयु क्रियाशील धातु है।

चौड़ी

9. किस धातु का दृष्टि आसानी से ही जाता है।

मैठनीशियम

10. कौन सी धातु भाप के साथ अभिक्रिया नहीं करती है।

सीना, चौड़ी, कॉफर, शीखा।

11. सोने की शुद्धता ..... में सर्वत फी जहाँ है।  
अ॒

12. कौन अधारु का उदाहरण है।  
अ॒ कालिन, सल्फर, हाइड्रोजन

13. पृथक्षि में रवंत्र अवस्था में पाये जाने वाली धारु है।  
अ॒ सोना प्लेटिनम्

14. रणनीतिक धारु किसे कहते हैं।  
अ॒ ट्राइटेनियम्

15. विवक्त सिलिवर किसे कहा जाता है।  
अ॒ पारा

16. अपख्पता का गुण पाया जाता है।  
अ॒ गधेंक

17. सबसे दूरका तत्व है।  
अ॒ हाइड्रोजन

18. रसायनों का राजा किसे कहा जाता है।  
अ॒ सल्फूरिक अम्ल की

19. सबसे कठोर अधारु है।  
अ॒ हीरा

20. सबसे कम क्रिया शील धारु है।  
अ॒ सोना

www.echoedu.com